9 जनवरी 2026
शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

नया भोजपुर पैक्स बैंक घोटाला : आखिर कहां गई दो करोड़ से अधिक की जमा राशि

2

खबरें फटाफट

व्यवसायिक बिल्डिंग में आग, दो लोगों की मौत

मुंबई। मुंबई के चांदीवली इलाके में एक चार-मंजिला व्यवसायिक बिल्डिंग में आग लगने से दो लोगों की मौत हो गई। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि अंधेरी के पूर्वी उपनगर में टेक्स सेंटर, नारायण प्लाजा बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर शाम 6.36 बजे आग लगी। मुंबई फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने की वजह से पूरी चार-मंजिला इमारत में धुआं भर गया था। अधिकारी ने बताया कि बिल्डिंग में एक ऑफिस में दो लोग बेहोश मिले और उन्हें फायर फाइटर्स ने बचाया, लेकिन बाद में अस्पतालों में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारी के मुताबिक, मृतकों की पहचान भगवान पिताले (30) और सुमंत जाधव (28) के रूप में हुई है, और उन्हें क्रमशः सेवन हिल्स हॉस्पिटल और राजावाड़ी हॉस्पिटल में मृत घोषित किया गया।

ओडिशा में अप्रैल से जनगणना का पहला चरण शुरू होगा

नई दिल्ली। ओडिशा में जनगणना का पहला चरण अप्रैल से शुरू होने जा रहा है। इसमें लगभग एक लाख गणनाकताओं को नियुक्त किया जाएगा। वहीं, अंतिम जनसंख्या गणना फरवरी 2027 में शुरू होगी। यह जानकारी एक आधिकारी ने दी। ओडिशा में जनगणना संचालन के निदेशक निखिल पवन कल्याण ने विकास आयुक्त डीके सिंह की अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक में भाग लेने के बाद कहा "पहला चरण, जिसमें घरों की सूची बनाना और आवास जनगणना संचालन शामिल है। अप्रैल और मई 2026 के बीच एक महीने की अवधि में होने वाला है।" आगे उन्होंने कहा "इस मूलभूत कदम के बाद प्राथमिक जनसंख्या गणना का चरण शुरू होगा, जो 9 फरवरी से 28 फरवरी, 2027 तक अनिवार्य रूप से आयोजित किया जाएगा। मार्च 2027 की शुरूआत में एक संक्षिप्त पुनरीक्षण दौर के साथ प्रक्रिया समाप्त होगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस महत्वपूर्ण गणना से कोई भी निवासी छूट न जाए।

ठंड ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, अगले 6 दिन मौसम लेगा बड़ा इम्तिहान

- दिल्ली में 5.8 डिग्री सेल्सियस का सबसे कम हुआ टेंपरेचर रिकॉड
- बिहार में बहुत घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी, अन्य राज्यों में तापमान गिरा

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली में गुरुवार को ठंड ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। दिल्ली में इस साल का सबसे न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया है। जबकि सर्दी के इस मौसम जो इस सीजन का तीसरा सबसे कम तापमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, दिल्ली में गुरुवार को 5.8 डिग्री सेल्सियस का सबसे कम मिनिमम टेंपरेचर रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली के बेस स्टेशन सफदरजंग में पारा गिरकर 5.8 डिग्री सेल्सियस हो गया। इस मौसम में सामान्य से ये 1.1 डिग्री सेल्सियस कम है। इससे यह इस सर्दी के मौसम का तीसरा सबसे कम न्यूनतम तापमान बन गया है। जबकि पालम में न्यूनतम तापमान 4.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.7 डिग्री कम था। इससे यह इस साल दिल्ली में दर्ज की गई। सबसे सर्द सुबहों में से एक बन गई। दिल्ली में अगले छह दिन न्यूनतम तापमान 6 से 7 डिग्री सेल्सियस बने रहने का अनुमान है। जबकि अधिकतम तापमान भी 16 से 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। हालांकि कोहरा बहुत घना नहीं होने से थोड़ी राहत रहेगी। लेकिन सर्द हवाओं के साथ गलन महसूस होगी। पश्चिमी हिमालयी राज्यों में बारिश और बर्फबारी से पंजाब, हरियाणा और राष्ट्रीय राजधानी समेत उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में लगातार दूसरे दिन बुधवार को चुभन वाली ठंड महसूस की गई। सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने, ठंडी हवाएं चलने और धूप नहीं निकलने से लोगों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

यूपी में तापमान नीचे

उत्तर प्रदेश की बात करें तो वहां भी न्यूनतम तापमान में 3 से 6 डिग्री की गिरावट देखी गई है। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से रात के तापमान में तेजी से गिरावट आई है। इससे बर्फ से ढके पहाड़ी क्षेत्रों से ठंडी और शुष्क हवाओं की चपेट में पूरा यूपी आ गया है। लखनऊ, कानपुर समेत मध्य यूपी में न्यूनतम तापमान 3 से 6 डिग्री की कमी आई है। 8 और 9 जनवरी को अगले 24-48 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में थोड़ी और गिरावट आने की चेतावनी है। 15-20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं, लगातार कोहरे और बादलों की वजह से भी ठिठुरन बढ़ी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ दिन में हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के कई हिस्सों में शीत लहर जारी रहने का अनुमान जताया है। जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भी ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी का असर उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में दिखाई दे रहा है।

भारतीय सेना ने लॉन्च किया अत्याधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय सेना ने लॉजिस्टिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी व आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए डिपो इंटीग्रेशन मैनेजमेंट एडिशन नाम का डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। इस प्लेटफॉर्म के जरिए सेना के कमांडरों को रियल-टाइम में संसाधनों की जानकारी मिलेगी, जिससे वे तेज और सटीक निर्णय ले सकेंगे। सेना ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि एक डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है, जो लॉजिस्टिक्स चक्र को कम करेगा और पूरे लॉजिस्टिक इकोसिस्टम में लगभग वास्तविक समय में संपत्ति की दृश्यता प्रदान करेगा, जिससे कमांडरों को सूचित निर्णय लेने के लिए 'इंटीग्रेटेड डैशबोर्ड' और 'एक्सेप्शन अलर्ट' मिलेंगे। सेना ने इससे जुड़ी जानकारी एक्स पर एक पोस्ट के जरिए साझा की। यह प्लेटफॉर्म एक स्वचालित प्रक्रिया के माध्यम से 70 फीसदी कागजी कार्रवाई को कम करेगा, लॉजिस्टिक्स चक्र को एक तिहाई तक छोटा करेगा और संपूर्ण लॉजिस्टिक इकोसिस्टम में लगभग वास्तविक समय में परिसंपत्तियों की जानकारी प्रदान करेगा, जिससे कमांडरों को सूचित निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

पश्चिम बंगाल की सीएम के करीब प्रतीक के ठिकानों पर ईडी की रेड

- ईडी ने कोयला तस्करी मामले में आई-पैक पर किया छापेमारी की
- ममता बनर्जी ने ईडी पर दस्तावेज चुराने का लगाया आरोप
- ईडी ने जांच में बाधा का आरोप लगाते हुए हाईकोर्ट का किया रुख

एजेंसी। कोलकाता

ईडी की ओर से गुरुवार को कोलकाता में बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के लिए राजनीतिक व चुनावी प्रबंधन का काम कर रही संस्था इंडियन पालिटिकल एक्शन कमेटी (आइ-पैक) और इसके निदेशक प्रतीक जैन के परिसरों पर कोयला तस्करी मामले में धनशोधन की जांच के तहत चलाए गए मैराथन तलाश अभियान के दौरान अभूतपूर्व हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला।

लगभग 12 घंटे तक चली छापेमारी से तिलमिलाई मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले सुबह में लाउडन स्ट्रीट स्थित जैन के आवास पर पहुंची तथा उसके बाद साल्टलेक सेक्टर-5 स्थित कार्यालय गईं। ममता यहां से एक फाइल व लैपटाप लेकर निकलीं। इसके बाद वह यहां करीब चार घंटे तक रही। उन्होंने ईडी की कार्रवाई की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसी छापेमारी के दौरान हार्ड डिस्क, पार्टी के आंतरिक व चुनावी रणनीति से जुड़े दस्तावेज, संवेदनशील संगठनात्मक डाटा और उम्मीदवारों की गोपनीय सूची, एसआईआर का डेटा सहित लैपटाप, फोन व दस्तावेज सब चुराकर व लूटकर ले गई।

कोयला तस्करी में छापेमारी

ममता ने कहा कि यह अपराध है। इसके लिए ईडी के खिलाफ थ् दर्ज की जाएगी। दूसरी ओर ईडी ने जांच में बाधा डालने व दस्तावेज व डिजिटल सुबूतों को जबरन छीनने का आरोप लगाया। इसे लेकर ईडी ने कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस मामले पर कल सुनवाई की संभावना है। बता दें कि प्रतीक जैन आई-पैक के सह-संस्थापक व बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के आइटी प्रकोष्ठ के प्रमुख भी हैं। यह पूरी कार्रवाई नवंबर 2020 में दर्ज सीबीआई की थ् और उसके बाद ईडी द्वारा दर्ज ईसीआइआर पर आधारित है, जिसमें मुख्य आरोपित अनूप माजी और उसके सहयोगियों पर ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) के पट्टा क्षेत्रों से अवैध रूप से कोयला खनन करने और उसे बंगाल के विभिन्न जिलों में बेचने का आरोप है।

हवाला नेटवर्क का पता चला

ईडी की जांच में इस तस्करी के पीछे एक बड़े हवाला नेटवर्क का पता चला है। जांच के अनुसार, कोयला तस्करी से प्राप्त करोड़ों रुपये की अवैध कमाई को हवाला आपरेटरों के जरिए स्थानांतरित किया गया। चैंकाने वाला खुलासा यह हुआ कि इस नेटवर्क के जरिए आई-पैकको भारी मात्रा में फंड ट्रांसफर किया गया। इस कड़ी के तहत दिल्ली में चार और कोलकाता में छह स्थानों पर छापेमारी की गई। ईडी के अनुसार, तलाशी की प्रक्रिया पेशेवर तरीके से चल रही थी। लेकिन दोपहर में सीएम ममता बनर्जी अपने काफिले और भारी पुलिस बल के साथ मौके पर आई-पैक के कार्यालय तथा जैन के आवास पर पहुंच गईं और वहां से महत्वपूर्ण भौतिक दस्तावेज और इलेक्ट्रानिक उपकरण अपने कब्जे में ले लिए। उनके सहयोगियों और राज्य पुलिस ने डिजिटल और दस्तावेजी सुबूतों को जबरन हटा दिया। इस दौरान कोलकाता के पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा भी उपस्थित थे।

सड़क हादसों में घायल लोगों को मिलेगा कैशलेस इलाज : गडकरी

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही देशभर में सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों के लिए ह्यकैशलेस उपचार योजनाह्न की औपचारिक शुरूआत करेंगे। इस योजना के तहत सड़क हादसे के पीड़ितों को इलाज के लिए जेब से पैसे खर्च नहीं करने पड़ेंगे। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के परिवहन मंत्रियों की वार्षिक बैठक की अध्यक्षता करने के बाद मीडिया से बातचीत में गडकरी ने कहा कि यह पहल सड़क दुर्घटनाओं के बाद समय पर चिकित्सा सुविधा न मिलने से होने वाली मौतों को कम करने के उद्देश्य से लाई जा रही है। गडकरी ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के परिवहन मंत्रियों की वार्षिक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सड़क सुरक्षा, यात्रियों की सुविधा, कारोबार में आसानी और ऑटोमोबाइल नियमों जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। गडकरी ने कहा, योजना का पायलट प्रोजेक्ट 14 मार्च 2024 को चंडीगढ़ में शुरू किया गया था, जिसे बाद में छह राज्यों तक विस्तार दिया गया। अब इसे पूरे देश में लागू करने की तैयारी है। इस योजना के तहत सड़क हादसे में घायल व्यक्ति को दुर्घटना की तारीख से अधिकतम सात दिनों तक प्रति दुर्घटना 1.5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। यह योजना मोटर वाहन से हुई सभी सड़क दुर्घटनाओं पर लागू होगी, चाहे सड़क किसी भी श्रेणी की हो। गडकरी ने पायलट प्रोजेक्ट में आई कुछ चुनौतियों का भी जिक्र किया। मार्च 2024 से अब तक कुल 6,833 इलाज के अनुरोध आए, जिनमें से 5,480 पीड़ितों को पात्र पाया गया, जबकि करीब 20 प्रतिशत मामलों को पुलिस की ओर से खारिज किया गया। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने बताया कि मोटर वाहन दुर्घटना कोष से अब तक 73.88 लाख रुपये की राशि वितरित की जा चुकी है।

भारत-म्यांमार सीमा पर ड्रग रैकेट का भंडाफोड़, 15 करोड़ की हेरोइन जब्त

एजेंसी। इंफाल

भारत-म्यांमार सीमा पर सक्रिय अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क को बड़ा झटका देते हुए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मणिपुर के सीमावर्ती इलाके में 7.312 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता की हेरोइन जब्त की और दो तस्करों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई एनसीबी की इंफाल जोनल यूनिट ने म्यांमार से भारत में हो रही मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ तेज अभियान के तहत की।लंबे समय से जुटाई गई पुख्ता खुफिया जानकारी के आधार यह अभियान असम राइफल्स के सहयोग से चलाया गया। इसके तहत सात जनवरी को भारतझ्रम्यांमार सीमा के पास एक बोलेरो गाड़ी को रोका गया। तलाशी के दौरान दौरान 638 साबुन के डिब्बों में छिपाकर रखी गई 7.312 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई। एनसीबी के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में इसकी कीमत लगभग 15 करोड़ रुपये है। आरोपियों की पहचान गिंखोमलियान और मांगबोई सिमटे के तौर पर की गई। दोनों मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के मुल्टाम इलाके के माता गांव के रहने वाले हैं। शुरूआती जांच में पता चला है कि म्यांमार से गई यह हेरोइन घने जंगलों के रास्ते मणिपुर में प्रवेश कराई गई। एनसीबी अधिकारियों ने बताया कि कड़ी निगरानी के कारण तस्कर अब पूरे उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में पारंपरिक मार्गों के बजाय जंगल और नदी मार्गों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूर्ण कराने का दिया निर्देश

जिलाधिकारी साहिला ने किया चुन्नी व पवनी पंचायत सरकार भवन का निरीक्षण

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में पंचायत स्तर पर प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में चल रहे प्रयासों के तहत जिलाधिकारी साहिला द्वारा निर्माणाधीन पंचायत सरकार भवनों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस क्रम में उन्होंने चुन्नी एवं पवनी पंचायत में निर्माणाधीन पंचायत सरकार भवन के कार्यों का जायजा लिया और संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता, उपयोग में लाई जा रही सामग्री तथा तय समय-सीमा के अनुरूप कार्य की स्थिति की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पंचायत सरकार भवन ग्रामीण प्रशासन की रीढ़ होते हैं, इसलिए इनके निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी साहिला ने जिला पंचायत राज पदाधिकारी, बक्सर को निर्देश दिया कि चुन्नी एवं पवनी दोनों योजनाओं का कार्य ससमय एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण में मानकों का पूर्णतः पालन किया जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की तकनीकी या संरचनात्मक समस्या उत्पन्न न हो। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और किसी भी स्तर पर यदि शिथिलता पाई जाती है तो संबंधित संवेदक एवं जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

सरकारी भूमि के समुचित उपयोग का निर्देश

चुन्नी पंचायत में निर्माणाधीन पंचायत सरकार भवन के समीप अवस्थित सरकारी भूमि का भी जिलाधिकारी ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उक्त भूमि के समुचित एवं योजनाबद्ध उपयोग पर जोर देते हुए वहां अन्य आवश्यक सरकारी संरचनाओं के निर्माण का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर विभिन्न सरकारी सेवाओं को एक ही परिसर में उपलब्ध कराने से आम जनता को सुविधा होगी और प्रशासनिक कार्यों में भी पारदर्शिता आएगी।

ग्रामीण विकास को मिलेगी नई गति

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को यह भी कहा कि पंचायत सरकार भवन केवल एक इमारत नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास का केंद्र होते हैं। यहां से विभिन्न सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन, जनसमस्याओं का समाधान और स्थानीय स्तर पर शासन की पहुंच सुनिश्चित होती है। इसलिए इन भवनों का समय पर निर्माण पूरा होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि निर्धारित समय-सीमा में भवनों का निर्माण पूर्ण होने के बाद पंचायत स्तर पर प्रशासनिक कार्यों में तेजी आएगी और ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

बड़ा सवाल, विभाग ने वित्तीय वर्ष 2021-22 तक का कर लिया है आडिट, नहीं पकड़ी गई गड़बड़ी

नया भोजपुर पैक्स बैंक घोटाला : आखिर कहां गई दो करोड़ से अधिक की जमा राशि

जमाकर्ताओं के पैसे से पैक्स अध्यक्ष ने जमा कर ली है अकूत संपति, लंबे समय से नहीं हुआ है पैक्स बैंक का आडिट, सवालों के घेरे में विभाग की कार्यशैली

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर के पैक्स बैंक घोटाला के सामने आने के बाद कई सवाल खड़े होने लगे है। इस मामले में सहकारिता विभाग की सवालों के घेरे में आ गया है, जबकि एफआईआर दर्ज होने के बाद पैक्स अध्यक्ष तथा संबंधित लोगों की मुश्किलें बढ़ गई है। बता दें कि नया भोजपुर पैक्स द्वारा जमा वृद्धि योजना के तहत बैंक का संचालन किया जा रहा था। जिसमें पिछले डेढ़ दशक से अधिक समय से नया भोजपुर के दर्जनों लोगों द्वारा अपनी गाढ़ी कमाई का पैसा बेहतर भविष्य तथा बच्चों की पढ़ाई व बेटियों की शादी के लिए जमा किया गया था, लेकिन जब समयावधि पूरी हुई तो पैसा देने के बजाय पैक्स द्वारा अपने बैंक में ताला जड़ दिया गया। पिछले वर्ष जब यह मामला तूल पकड़ा था तो नया भोजपुर पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज करने के बजाय थाने में ही समझौता कराया गया। इस समझौते में पैक्स अध्यक्ष मेराज खां ने स्वीकार किया था कि कुछ समय में वे सभी जमाकताओं के पैसे लौटा देंगे, लेकिन इस समझौते के बाद पैक्स अध्यक्ष ने कुछ वैसे चुनिंदे जमाकताओं के ही पैसे लौटाए जिनकी गांव में साख मजबूत थी, जबकि कमजोर तबके के जमकर्ताओं को फटकार लगा भगा दिया गया। हालांकि, पिछले दिनों नया भोजपुर थाने में आयोजित एसपी के जनता दरबार में जब ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से यह मुद्दा उठाया तो एसपी भौचक रह गए तथा उन्होंने तत्काल नया भोजपुर थानाध्यक्ष को पीड़ित जमाकताओं के सामूहिक आवेदन पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया, जिसके बाद जमकताओं के आवेदन पर इस मामले में एफआईआर दर्ज कर लिया गया है।

सवालों के घेरे में आडिटर की भूमिका

बता दें कि इस पैक्स का वित्तीय वर्ष 2021-22 तक अंकेक्षण भी कर दिया गया है, लेकिन ताज्जूब की पैक्स द्वारा संचालित इस बैंक द्वारा इतनी बड़ी गड़बड़ी नजर नहीं आई या फिर मैनेज के खेल में गड़बड़ी को जानबूझकर अनदेखा कर गरीबों की गाढ़ी कमाई का बंदरबाट कर लिया गया। हालांकि, मामला सामने आने के बाद सहकारिता विभाग के आप्त सचिव ने इसके जांच के आदेश दे दिए है। ऐसे में अब देखना है कि क्या विभागीय जांच में इस पैक्स के अंकेक्षण में गड़बड़ी करने वाले अंकेक्षण पर गाज गिरती है या फिर यह जांच भी मैनेज के आंच तले दब जाएगा।

बोले एसडीपीओ, कई बिंदुओं पर हो रही है जांच

इस संबंध में डुमरांव एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने बताया कि सामूहिक एफआईआर दर्ज होने के बाद कई बिंदुओं पर जांच की जा रही है, मसलन पैक्स द्वारा कितने लोगों से तथा किस मद में पैसा जमा कराया गया था, वह पैसा कहां गया। एसडीपीओ ने कहा कि एफआईआर के अलावे भी जिन लोगों की भूमिका इस घोटाले में पाई जाएगी उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जमाकर्ता लगा रहे है कई गंभीर आरोप

बता दें कि नया भोजपुर थाने में अबतक कुल 32 लोगों ने सामूहिक रूप से एफआईआर दर्ज कराते हुए कुल दो करोड़ से अधिक के राशि के गबन का आरोप लगाया है। वहीं, ग्रामीण सूत्रों की मानें तो पैक्स बैंक द्वारा कई अन्य लोगों की राशि का गबन भी किया गया है, जो अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं कराए है। जानकारों का कहना है कि कई ऐसे भी जमाकर्ता है, जिनके आरडी या एफडी का समयावधि पूरा होने के बाद पैक्स प्रबंधन ने बड़ी चतुराई से उनकी राशि निर्गत करने के नाम पर उनके पासबुक को अपने पास जब्त कर लिया गया। जिससे वे जमाकर्ता कानूनी कार्रवाई से हिचक रहे है, जबकि कुछ ऐसे भी जमाकर्ता है जो अभी भी पैक्स संचालकों के झांसे में फंसे है, उन्हें उम्मीद है कि पैक्स अध्यक्ष या संचालक उनकी जमा राशि को कुछ दिनों में लौटा देगी। जबकि ऐसे भी जमाकर्ता है जो पैक्स अध्यक्ष से अपने पुराने संबंधों को देखते हुए मुंह बंद किए हुए है। जानकार बताते है कि यदि गहराई से जांच की जाए तो न सिर्फ गबन के शिकार लोगों की संख्या बढ़ जाएगी बल्कि गबन की राशि भी दुगनी हो सकती है।

सहकारिता विभाग के आप्त सचिव के निर्देश के आलोक में मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही यह तय हो पाएगा कि पैक्स बैंक द्वारा कितने की राशि का गबन किया गया है। फिलहाल इस मामले में पैक्स अध्यक्ष, बैंक प्रबंधक, एजेंट के अलावे पूरी समिति की भूमिका की जांच व दोषी पाए जाने पर कार्रवाई होगी।

– चंद्रमा राम, जिला सहकारिता पदाधिकारी, बक्सर

एक नजर

केसठ में बंदर की मौत के बाद मचा हड़कंप, झुंड ने घर को घेरा, वन विभाग की टीम ने संभाली स्थिति

केसठ। प्रखंड के एक स्थानीय गांव में गुरुवार को एक अनोखी और भयावह घटना सामने आई, जब रीता देवी के घर की छत से नीचे गिरने से एक बंदर की मौत हो गई। इस घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद बंदरों का झुंड आक्रोशित हो गया और मृत बंदर के घर को चारों ओर से घेर लिया। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि घर में मौजूद लोगों को अपनी जान बचाने के लिए कमरे का गेट बंद कर अंदर शरण लेनी पड़ी।करीब एक घंटे तक घरवाले कमरे में बंद रहे। इसके बाद गृह स्वामी ने सोशल मीडिया और फोन के माध्यम से ग्रामीणों से मदद की गुहार लगाई। सूचना मिलते ही पंचायत के मुखिया अरविन्द यादव उर्फ गामा पहलवान ने मामले की जानकारी वन विभाग को दी। वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डॉ. राजीव यादव को मौके पर भेजा।घटनास्थल पर पहुंचे डॉ. राजीव यादव ने ग्रामीण युवाओं के सहयोग से आग की लपटें दिखाकर बंदरों के झुंड को डराया और काफी मशक्कत के बाद उन्हें वहां से भगाने में सफलता पाई। इस पूरी कार्रवाई में करीब एक घंटा का समय लगा। इसके बाद मृत बंदर का अंतिम संस्कार मिठाइयां पुल के समीप नहर किनारे स्थित कब्रगाह में किया गया।घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में बढ़ती बंदरों की समस्या को देखते हुए उन्हें पकड़ने और स्थानांतरित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

शीतलहर का असर : कक्षा 1 से 8 तक की पढ़ाई 13 जनवरी तक स्थगित, डीएम ने जारी किया आदेश

बक्सर। बक्सर जिले में लगातार बढ़ती ठंड और शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन ने स्कूली बच्चों के हित में बड़ा निर्णय लिया है। बच्चों के स्वास्थ्य एवं जीवन पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव की आशंका को ध्यान में रखते हुए जिला दण्डाधिकारी, बक्सर द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराझ्र163 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अहम आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों, प्री-स्कूल तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में कक्षा 1 से 8 तक की सभी शैक्षणिक गतिविधियां आगामी 13 जनवरी तक पूर्ण रूप से स्थगित रहेंगी। यह आदेश 09 जनवरी से प्रभावी होगा और 13 जनवरी 2026 तक लागू रहेगा। हालांकि, कक्षा 9 एवं उससे ऊपर के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक गतिविधियों में आंशिक छूट दी गई है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि कक्षा 9 से ऊपर की कक्षाएं प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से अपराह्न 3:30 बजे तक संचालित की जा सकेंगी, ताकि छात्रों को अत्यधिक ठंड से राहत मिल सके। इसके साथ ही जिला प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी विद्यालय में पूर्व से बी-एड, बोर्ड परीक्षा अथवा अन्य परीक्षाओं से संबंधित विशेष कक्षाएं या परीक्षाएं निर्धारित हैं, तो उनका संचालन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किया जा सकेगा। जिला प्रशासन ने अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यालय प्रबंधन से अपील की है कि बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए इस आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। साथ ही, शीतलहर के दौरान बच्चों को अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने देने, गर्म कपड़ों का उपयोग कराने एवं स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्कता बरतने की भी सलाह दी गई है। प्रशासनिक इस निर्णय से अभिभावकों ने राहत की सांस ली है और इसे बच्चों के हित में एक सराहनीय कदम बताया है।

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद से जुड़ेगा रघुनाथपुर का तुलसी आश्रम, धार्मिक पर्यटन के रूप में विकास की पहल तेज

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत रघुनाथपुर स्थित ऐतिहासिक तुलसी आश्रम को बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद से जोड़कर धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की पहल तेज हो गई है। इस दिशा में तुलसी विचार मंच के संयोजक शैलेश ओझा ने पहल करते हुए इसे धार्मिक न्यास पर्षद से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया है। उनका कहना है कि पर्षद से जुड़ने के बाद तुलसी आश्रम को राज्य सरकार की धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा, जिससे आश्रम का समुचित विकास संभव हो सकेगा। इसी क्रम में शैलेश ओझा तथा भाजपा कला एवं संस्कृति प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक शंभू चंद्रवंशी ने बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष रणवीर नंदन से मुलाकात कर तुलसी आश्रम के विकास से संबंधित आठ सूत्री मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र में तुलसी आश्रम को बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद में शामिल करने, रामायण सर्किट से जोड़ने, तुलसी महोत्सव के आयोजन, आश्रम की घेराबंदी, भव्य प्रवेश द्वार निर्माण, गुरुकुल की स्थापना, मानस पुस्तकालय का निर्माण, तुलसी सरोवर के सौंदर्यीकरण, तुलसी आश्रम से बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर तक कॉरिडोर निर्माण तथा प्रमुख धार्मिक शहरों को जोड़ने वाली ट्रेनों का रघुनाथपुर में ठहराव सुनिश्चित करने जैसी मांगें शामिल हैं। तुलसी आश्रम धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बक्सर जिले का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है, इसके बावजूद आज भी यह बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। सरकारी अभिलेखों और शाहाबाद गजेटियर 1966 के अनुसार, गोस्वामी तुलसीदास ने रघुनाथपुर में प्रवास के दौरान रामचरितमानस के उत्तरकांड के कुछ अंशों की रचना की थी। यही स्थल आज तुलसी आश्रम के नाम से जाना जाता है। वर्तमान में गोस्वामी तुलसीदास के नाम से यहां 4 एकड़ 63 डिसमिल भूमि दर्ज है। आश्रम परिसर में प्राचीन श्रीराम-जानकी मंदिर और भव्य महाकालेश्वर मंदिर स्थित हैं। इसके अलावा मात्र तीन किलोमीटर की दूरी पर बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर स्थित है, जहां सावन और महाशिवरात्रि के अवसर पर लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद से जुड़ने के बाद तुलसी आश्रम के संरक्षण, विकास और पर्यटन को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे क्षेत्रीय विकास और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

डुमरांव में फार्मर रजिस्ट्रेशन बना भरोसे का सेतु, प्रशासन की पहल से किसानों में दिखा उत्साह

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखंड में किसानों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने की दिशा में चलाया जा रहा फार्मर रजिस्ट्रेशन अभियान अब भरोसे का माध्यम बनता नजर आ रहा है। बुधवार को प्रखंड के आठ पंचायतों में आयोजित विशेष किसान पंजीकरण कैम्प का निरीक्षण करते हुए बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ने प्रशासनिक सक्रियता का स्पष्ट संदेश दिया। उनके निरीक्षण का उद्देश्य केवल प्रगति देखना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना था कि किसान बिना किसी झंझट के पंजीकरण करा सकें। निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने कैम्प स्थलों पर मौजूद किसानों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। किसानों द्वारा बताई गई छोटी-बड़ी दिक्कतों को उन्होंने गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही संबंधित कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। बीडीओ ने स्पष्ट किया कि फार्मर रजिस्ट्रेशन किसी औपचारिकता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह किसानों के भविष्य से जुड़ी एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। कैम्पों में किसान अपनी भूमि, फसल और व्यक्तिगत विवरण दर्ज करा रहे थे। प्रशासन द्वारा ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराए जाने से उन किसानों को भी राहत मिली, जो डिजिटल माध्यमों से अभी पूरी तरह सहज नहीं हैं। बीडीओ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि तकनीकी संसाधनों और कर्मियों की कमी किसी भी हालत में किसानों पर असर न डाले। उन्होंने कहा कि फार्मर रजिस्ट्रेशन से किसानों को सब्सिडी, फसल बीमा, कृषि सहायता और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिलेगा। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल जागरूकता बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया गया, ताकि भविष्य में किसान स्वयं ऐसी प्रक्रियाओं में भागीदारी निभा सकें। कैम्प में मौजूद किसानों ने प्रशासनिक व्यवस्था की सराहना की और कहा कि अधिकारियों की मौजूदगी से उनमें विश्वास बढ़ा है। कुल मिलाकर, डुमरांव प्रखंड में आयोजित यह पंजीकरण अभियान प्रशासन और किसानों के बीच सहयोग और विश्वास का एक मजबूत उदाहरण बनकर उभरा है, जो आने वाले समय में किसानों के हित में मील का पत्थर साबित हो सकता है।

एग्रीस्टैक परियोजना के तहत बक्सर में फार्मर रजिस्ट्री अभियान शुरू

- डीएम साहिला ने चुन्नी पंचायत कैंप का किया निरीक्षण, किसानों से समय पर पंजीकरण की अपील

केटी न्यूज/बक्सर

कृषि विभाग द्वारा संचालित एग्रीस्टैक परियोजना के अंतर्गत बक्सर जिले में किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने का कार्य औपचारिक रूप से शुरू कर दिया गया है। इस महत्वाकांक्षी डिजिटल पहल के तहत जिले के प्रत्येक किसान को एक विशिष्ट फार्मर आईडी प्रदान की जाएगी, जिससे उन्हें केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ सीधे और पारदर्शी रूप से मिल सकेगा।इसी क्रम में आज 08 जनवरी को जिलाधिकारी साहिला ने सदर प्रखंड के चुन्नी पंचायत में आयोजित फार्मर रजिस्ट्री कार्ड कैंप का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने कैंप में मौजूद व्यवस्थाओं का जायजा लिया और किसानों से संवाद कर उन्हें फार्मर रजिस्ट्री के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिला पदाधिकारी ने उपस्थित किसानों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि वे निर्धारित तिथि पर स्वयं कैंप में उपस्थित होकर अपना पंजीकरण कराएं। उन्होंने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री के बिना भविष्य में कई सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाई हो सकती है। डीएम ने यह भी कहा कि यदि किसानों को पंजीकरण प्रक्रिया में किसी प्रकार की समस्या आती है तो वे अपने पंचायत के किसान सलाहकार, कृषि समन्वयक अथवा प्रखंड कृषि पदाधिकारी से संपर्क कर समाधान प्राप्त कर सकते हैं। जिला प्रशासन किसानों की हर संभव सहायता के लिए तत्पर है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने किसानों से अपील की कि वे इस डिजिटल पहल का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री किसानों के लिए एक आधारभूत दस्तावेज के रूप में कार्य करेगी, जिसके माध्यम से बीज अनुदान, फसल बीमा, किसान सम्मान निधि, कृषि यंत्र अनुदान जैसी योजनाओं का लाभ तेजी और पारदर्शिता के साथ मिलेगा। उन्होंने कृषि पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि पंजीकरण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाए, ताकि कोई भी पात्र किसान इससे वंचित न रहे।

प्रतिदिन मांगी गई प्रगति रिपोर्ट

जिलाधिकारी ने जिला कृषि पदाधिकारी बक्सर को सख्त निर्देश दिया कि फार्मर रजिस्ट्री से संबंधित प्रतिदिन संध्या में प्रगति प्रतिवेदन अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाए। इससे अभियान की निरंतर मॉनिटरिंग की जा सके और लक्ष्य के अनुरूप कार्य पूर्ण किया जा सके।

दो चरणों में चलेगा पंजीकरण अभियान

जिला कृषि पदाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि फार्मर रजिस्ट्री अभियान को दो चरणों में संचालित किया जा रहा है।पहला चरण 6 जनवरी से 9 जनवरी तक एवं दूसरा चरण 18 जनवरी से 21 जनवरी तक निर्धारित है।प्रशासन ने सभी किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों में नजदीकी कैंप में पहुंचकर अपना पंजीकरण अवश्य कराएं और इस डिजिटल व्यवस्था का लाभ उठाएं।

Mob: 9122226720
कुमार आर्योपेडिक्स क्लिनिक
सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, छेरवानी मोड़, डुमरॉव
डा. बिरेन्द्र कुमार
आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डा. एस.के. अम्बष्ठ
M.B.B.S (MKCC, ODISHA)
MD (Derma & Cosmetology),
KMC Manipal (Gold Medalist)
चर्म रोग, कुष्ट रोग, गुप्त रोग, सौंदर्य विशेषज्ञ
प्रत्येक मंगलवार
डा. अरूण कुमार
जेनरल एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन
(M.B.B.S, D.NB. (New Delhi)
पेट रोग विशेषज्ञ
प्रत्येक गुरूवार

थर्मल पावर प्लांट में दर्दनाक हादसा

पाइप के नीचे दबकर 44 वर्षीय मजदूर की मौत, सुरक्षा में लापरवाही का आरोप

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा स्थित थर्मल पावर प्लांट में कार्य के दौरान बुधवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें 44 वर्षीय मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान राजकुमार (44 वर्ष) के रूप में हुई है, जो बिहार के गया जिले का निवासी था। हादसे के बाद प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई, वहीं मजदूरों में भारी आक्रोश देखने को मिला। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजकुमार प्लांट परिसर में एलएंडटी के अंतर्गत पावर मैक कंपनी में कार्यरत था। वह ग्राइंडर मशीन से भारी-भरकम लोहे के पाइप पर काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से पाइप सरक गया और राजकुमार उसके नीचे दब गया। आसपास मौजूद मजदूरों ने तुरंत पाइप हटाने का प्रयास किया, लेकिन जब तक उसे बाहर निकाला गया, तब तक उसकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। हादसे की खबर फैलते ही प्लांट में काम कर रहे अन्य मजदूरों में गहरा आक्रोश फैल गया। मजदूरों ने कंपनी प्रबंधन पर सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी का आरोप लगाया। उनका कहना था कि यदि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होते तो यह हादसा टाला जा सकता था। गुस्साए मजदूरों ने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा और एक सदस्य को नौकरी देने की मांग करते हुए काम पूरी तरह ठप कर दिया, जिससे प्लांट का संचालन प्रभावित हुआ। घटना की सूचना मिलते ही संबंधित थाना के थानाध्यक्ष शम्भु भगत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

परिजनों को दी गई सूचना

पुलिस ने मृतक राजकुमार के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। परिजनों के चौसा पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम समेत आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। वहीं, शव को कब्जे में लेकर सुरक्षित रखा गया है।

जांच में जुटी पुलिस

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि हादसा सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण हुआ या किसी अन्य तकनीकी कारण से। साथ ही कंपनी प्रबंधन की भूमिका और कार्यस्थल पर उपलब्ध सुरक्षा संसाधनों की भी जांच की जा रही है। यदि लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित एजेंसी और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही जा रही है।

मजदूर सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

इस घटना ने एक बार फिर औद्योगिक इकाइयों में मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आए दिन हो रहे ऐसे हादसे यह संकेत देते हैं कि बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स में काम कर रहे मजदूरों की जान किस कदर जोखिम में है। मजदूर संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सुरक्षा नियमों को सख्ती से लागू किया जाए। थर्मल पावर प्लांट में हुए इस हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। अब देखना होगा कि प्रशासन और कंपनी प्रबंधन इस मामले में क्या ठोस कदम उठाते हैं और पीड़ित परिवार को कब न्याय मिलता है।

एक नजर

शराब के नशे में पिस्टल के साथ हंगामा कर रहे दो गिरफ्तार

बक्सर। शराब के नशे में उत्पात मचाना तथा पिस्टल लहराते हुए एक घरवाले को आतंकित करने के आरोप में नगर थाने की पुलिस ने शिवपुरी मोहल्ले से दो युवकों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक पिस्टल बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान

शिवपुरी मोहल्ले निवासी गौतम कुमार पिता नरसिंह सिंह तथा शुभम मिश्रा पिता अशोक कुमार शामिल है। दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट में एफआईआर दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी की जा रही है। नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि बुधवार की रात दोनों अपने मोहल्ले के एक घर को टारगेट कर पिस्टल लहरा रहे थे तथा घरवालों को धमका रहे थे। इसकी सूचना मिलते ही तत्काल एक पुलिस टीम भेज दोनों को गिरफ्तार करवाया गया। इस दौरान उनके पास से एक पिस्टल बरामद हुआ। थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना के वक्त दोनों नशे में थे तथा मेडिकल जांच में शराब पीने की पुष्टि हुई है।

परीक्षा पर चर्चा में बक्सर की बुलंद भागीदारी 121 प्रतिशत पंजीयन से रचा रिकॉर्ड

बक्सर। भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम विद्यार्थियों को परीक्षा के तनाव से मुक्त करने की दिशा में एक प्रभावी पहल बन चुका है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ग 6 से 12 तक के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पंजीयन कर प्रधानमंत्री के साथ संवाद का अवसर मिलता है। शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा संचालित इस जागरूकता मिशन में बक्सर जिले ने इस बार शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। जिले को कुल 91,782 शिक्षार्थियों का ऑनलाइन पंजीयन लक्ष्य दिया गया था, लेकिन शिक्षा विभाग बक्सर ने लक्ष्य से कहीं आगे बढ़ते हुए 1,29,594 शिक्षार्थियों का डाटा सफलतापूर्वक ऑनलाइन दर्ज कराया। यह उपलब्धि 121 प्रतिशत पंजीयन को दर्शाती है, जो जिले की सक्रियता और प्रशासनिक समन्वय का प्रमाण है। प्रदेश स्तर पर पंजीयन के आंकड़ों की बात करें तो 38 जिलों में सर्वाधिक सहभागिता दर्ज करने में पूर्वी चंपारण पहले स्थान पर रहा, जहां 2,72,356 शिक्षार्थियों का ऑनलाइन पंजीयन हुआ। वहीं वैशाली जिला 1,99,105 पंजीयन के साथ दूसरे स्थान पर रहा। बिहार को कुल 58 लाख पंजीयन का लक्ष्य मिला था, जिसके मुकाबले राज्य ने करीब 30 लाख के आसपास पंजीयन कर अपनी मजबूत स्थिति दर्ज कराई है। इसमें बक्सर की भूमिका उल्लेखनीय रही है। इस अवसर पर सक्रिय शिक्षक डॉ. मनीष कुमार शशि ने बताया कि ह्यपरीक्षा पर चर्चाह्व शिक्षा विभाग की एक महत्वाकांक्षी और दूरदर्शी पहल है। इसके माध्यम से शिक्षार्थियों को प्रधानमंत्री से सीधे संवाद का अवसर मिलता है, जिससे वे परीक्षा के दबाव, भय और तनाव से बाहर निकलने के उपाय समझ पाते हैं। यह कार्यक्रम न केवल विद्यार्थियों, बल्कि शिक्षकों और अभिभावकों के लिए भी मार्गदर्शन का कार्य करता है। शिक्षा विभाग के नियमानुसार पंजीयन के दौरान शिक्षार्थी, शिक्षक एवं अभिभावक अपने नाम, विद्यालय का विवरण, अभिभावक का नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, पिन कोड सहित कई महत्वपूर्ण जानकारियां ऑनलाइन दर्ज करते हैं। राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर चयनित प्रतिभागियों को प्रधानमंत्री के समक्ष सीधे प्रश्न पूछने और संवाद करने का अवसर भी प्राप्त होता है। कुल मिलाकर, परीक्षा पर चर्चा ने बक्सर जिले के विद्यालयों में जागरूकता की नई ऊर्जा भर दी है और यह साबित कर दिया है कि सही दिशा और सामूहिक प्रयास से शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

सिकरौल हत्याकांड : मुआवजे की मांग पर शव संग सड़क जाम, घंटों ठप रहा आवागमन

अब तक छह गिरफ्तार, घटनास्थल से एक खोखा बरामद: पुलिस के आश्वासन पर टूटा जाम

केटी न्यूज/डुमरांव

सिकरौल थाना क्षेत्र के भखवा गांव में जमीन विवाद को लेकर हुई सनसनीखेज हत्या के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। बुधवार की शाम हुई इस घटना में 50 वर्षीय संजय चौबे की गोली लगने से मौत हो गई थी, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक छह आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन इसके बावजूद मृतक के स्वजनों का आक्रोश गुरुवार को सड़कों पर फूट पड़ा।

शव के साथ सड़क पर उतरे स्वजन

गुरुवार की सुबह मृतक के स्वजनों और ग्रामीणों ने शव को लेकर सिकरौल थाना के समीप बक्सरझनावानगर राजवाहा मार्ग को जाम कर दिया। मुआवजे, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और घटनास्थल पर वरीय पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को बुलाने की मांग को लेकर प्रदर्शनकारी सड़क पर डटे रहे। सड़क जाम के कारण इस मार्ग पर वाहनों का परिचालन पूरी तरह ठप हो गया, जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नाराजगी

स्वजनों का कहना था कि जब तक मुआवजे की घोषणा नहीं की जाती और वरीय अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचते, तब तक जाम नहीं हटेगा। सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस और पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास किया। काफी देर तक चली बातचीत के बाद पुलिस के आश्वासन पर जाम हटाया गया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

जमीन विवाद बना खूनी संघर्ष की वजह

बताया जा रहा है कि बुधवार की शाम भखवा गांव में एक विवादित भूखंड पर धान की कटनी के दौरान दो पक्ष आमने-सामने आ गए। पहले कहासुनी हुई, फिर देखते ही देखते मामला हिंसक झड़प में बदल गया। इसी दौरान गोली चलने से संजय चौबे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। घायलों का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

घटना के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए देर रात तक आधा दर्जन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही घटनास्थल से एक खोखा भी बरामद किया गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि हत्या में आग्नेयास्त्र का इस्तेमाल किया गया था। अन्य फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

किसी भी अपराधी को नहीं बख्शा जाएगा

डुमरांव के एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने बताया कि पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि आक्रोशित स्वजनों को समझाने का प्रयास किया गया है और कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई जारी है। एसडीपीओ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस घटना में शामिल किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।

फिलहाल जाम हटने के बाद आवागमन सामान्य हो गया है, लेकिन गांव और आसपास के इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है। प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके।

पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय प्लस टू विद्यालय में नामांकन के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

केटी न्यूज/बक्सर

जिला पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारी बक्सर से प्राप्त जानकारी के अनुसार निदेशक, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बिहार, पटना के निर्देशानुसार बक्सर जिले में संचालित अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय प्लस टू उच्च विद्यालय, बक्सर में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस विद्यालय में पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग की छात्राओं को निःशुल्क आवासन एवं शिक्षण की सुविधा प्रदान की जाती है।

निर्धारित सूचना प्रकाशन के आलोक में कक्षा 6 से कक्षा 9 तक रिक्त सीटों के विरुद्ध छात्राओं से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन की प्रक्रिया 10 जनवरी से प्रारंभ होकर 9 फरवरी तक चलेगी। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी विभागीय पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। जारी विवरण के अनुसार जिला बक्सर के लिए कक्षा-6 में कुल 40 सीटें, कक्षा-7 में 21 सीटें, कक्षा-8 में 1 सीट तथा कक्षा-9 में 4 सीटें रिक्त हैं। इन सभी सीटों पर नामांकन पूरी तरह निःशुल्क किया जाएगा। परीक्षा एवं नामांकन के लिए किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। आवेदन करते समय अभ्यर्थियों को अंचलाधिकारी द्वारा निर्गत जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र के साथ पासपोर्ट साइज फोटो एवं हस्ताक्षर को ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य होगा। साथ ही यह स्पष्ट किया गया है कि आवेदिका के माता-पिता अथवा अभिभावक की वार्षिक आय तीन लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। नामांकन के लिए छात्रा की जन्म तिथि उनके शैक्षणिक प्रमाण पत्र अथवा विद्यालय परित्याग प्रमाण पत्र में अंकित तिथि के अनुसार ही मान्य होगी। आयु सीमा के संबंध में बताया गया है कि 1 अप्रैल को कक्षा-6 के लिए 10 से 13 वर्ष, कक्षा-7 के लिए 11 से 14 वर्ष, कक्षा-8 के लिए 12 से 15 वर्ष तथा कक्षा-9 के लिए 13 से 16 वर्ष निर्धारित की गई है। जिला प्रशासन ने पात्र छात्राओं एवं उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन करना सुनिश्चित करें, ताकि पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग की अधिक से अधिक छात्राओं को आवासीय विद्यालय की निःशुल्क शिक्षा एवं सुविधाओं का लाभ मिल सकता है।

एनएच-319 पर भीषण सड़क हादसा, चालक व खलासी की मौके पर मौत

केटी न्यूज/नावानगर

घने कोहरे से एनएच-319 स्थित सोनवर्षा थाना क्षेत्र के कड़सर गांव के पास एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हो गई। तेज रफ्तार ट्रक ने आगे चल रहे एक बड़े वाहन में जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। दोनों मृतक हनुमान गढ़ी महाराष्ट्र निवासी अली खान शेख एवं दयानंद बाबुराव भुहारे बताया जाता है। जो दोनों ट्रक के चालक एवं खलासी थे। घटना गुरुवार अहले सुबह की बताई जा रही है। मृतक टमाटर लदी ट्रक को महाराष्ट्र से कटिहार जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार ट्रक ने आगे चल रहे एक बड़े वाहन में जोरदार टक्कर से ट्रक के परखच्चे उड़ गए। टक्कर इतनी भयावह थी कि वाहन

बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक व खलासी केबिन में ही फंस गए। स्थानीय लोग एवं पुलिस मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद दोनों शवों को बाहर निकाला गया। सोनवर्षा थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि दुर्घटना कड़सर गांव के पास हुई है। मृत चालक की पहचान कर लिया गया है। साथ ही दुर्घटना की सूचना महाराष्ट्र पुलिस के सहयोग से मृतक के परिजनों को दे दी गई है। ट्रक में महाराष्ट्र से टमाटर लादकर बिहार के कटिहार ले जाया जा रहा था।

पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को सड़क से हटाकर यातायात बहाल कराया गया। पुलिस ट्रक मालिक से संपर्क कर आवश्यक कागजी कार्रवाई कर रही है। इस हादसे के बाद कुछ देर के लिए एनएच-319 पर अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ था।

महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय में चिकित्सकीय जीवन के लिए प्रकाशीय संवेदक विषय पर एकल व्याख्यान आयोजित

केटी न्यूज/बक्सर

महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय, बक्सर के मानस सभागार में शैक्षणिक उन्नयन की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए गुरुवार 08 जनवरी 2026 को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण एकल व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का विषय ह्चिकित्सकीय जीवन के लिए प्रकाशीय संवेदकह्व रहा, जिसमें आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में प्रकाशीय संवेदक तकनीक की भूमिका, उपयोगिता और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), रुड़की के प्रोफेसर (डॉ.) सचिन कुमार श्रीवास्तव रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि किस प्रकार प्रकाशीय संवेदक तकनीक आज चिकित्सा क्षेत्र में रोगों की पहचान, स्वास्थ्य की निरंतर निगरानी, सटीक परीक्षण तथा प्रभावी उपचार में क्रांतिकारी भूमिका निभा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में यह तकनीक चिकित्सा सेवाओं को और अधिक सुलभ व विश्वसनीय बनाएगी। साथ ही विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में भी शोध और नवाचार के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. पंकज कुमार चौधरी ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने इस प्रकार के अंतरविषयक व्याख्यानों को विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया और ऐसे आयोजनों की निरंतरता पर बल दिया।

व्याख्यान के दौरान छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने गहरी रुचि दिखाई। प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने जिज्ञासापूर्ण प्रश्न पूछे, जिनका समाधान मुख्य वक्ता ने सरल और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से किया। कार्यक्रम के अंत में स्नातकोत्तर इतिहास विभाग के डॉ. नवीन शंकर पाठक ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए मुख्य वक्ता, अध्यक्ष, सभी शिक्षकगण, अतिथियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अनेक शिक्षक, कर्मचारी, एनसीसी कैडेट्स तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित

औचक निरीक्षण में खुली स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल, डीएम साहिला ने दिए सख्त निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी साहिला द्वारा गुरुवार को सदर प्रखंड अंतर्गत स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, पवनी का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं, उपलब्ध संसाधनों एवं जनसेवाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया गया। अचानक हुए निरीक्षण से स्वास्थ्य कर्मियों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने पाया कि हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में स्वीकृत बल के अनुरूप पारामेडिकल स्टाफ की पूर्ण पदस्थापन नहीं की गई है, जिससे मरीजों को समुचित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में कठिनाई हो रही है। इस पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए सिविल सर्जन, बक्सर को निर्देश दिया कि केंद्र में स्वीकृत पदों के अनुरूप शीघ्र पारामेडिकल स्टाफ की पदस्थापन अथवा प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं और यहां किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने ओपीडी संचालन, दवा उपलब्धता, साफ-सफाई, मरीजों की उपस्थिति पंजी, आवश्यक उपकरणों की स्थिति एवं रिकॉर्ड संधारण की भी समीक्षा की। साथ ही मरीजों से बातचीत कर उपलब्ध सेवाओं के बारे में फीडबैक लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने केंद्र परिसर की साफ-सफाई बनाए रखने, नियमित टीकाकरण एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार की मंशा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को उनके गांव के समीप ही बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों। अंत में जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि निरीक्षण में पाई गई कमियों को समयबद्ध ढंग से दूर किया जाए और इसकी अनुपालन रिपोर्ट शीघ्र जिला प्रशासन को उपलब्ध कराई जाए। जिला प्रशासन द्वारा आगे भी इस प्रकार के औचक निरीक्षण किए जाने की संभावना जताई गई है, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार सुनिश्चित किया जा सके।

बिक्रमगंज व दावथ पुलिस ने कार्रवाई कर तीन आरोपी को किया गिरफ्तार

एएसपी के नेतृत्व में अनुमंडल पुलिस टीम ने नशीले दवा तस्कर गिरोह को दबोचा

- **एएसपी संकेत कुमार ने प्रेसवार्ता गिरोह कांड का किया उद्भेदन**

केटी न्यूज/रोहतास

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ए.एस.पी संकेत कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में प्रेसवार्ता कर गिरोह कांड का किया उद्भेदन। उन्होंने कहा कि बिक्रमगंज थाना कांड संख्या 10/26 के आलोक में सुसंगत धारा 22 (बी)एनडीपीएस एक्ट एवं दावथ थाना कांड संख्या 05/26 के आलोक में सुसंगत धारा 22 (बी) एनडीपीएस एक्ट तहत कांड दर्ज किया गया। साथ ही बताया कि प्रायः शिकायत मिल रही थी कि बिक्रमगंज एवं आस-पास के क्षेत्रों में नशे के लिये लोग अवैध रूप से ऐसे नशे की सुई का उपयोग कर रहे हैं,जो सामान्य तौर पर मेडिकल स्टोर द्वारा बिना चिकित्सीय पर्ची के नहीं बेचा जा सकता है। इस पर कारगर नियंत्रण हेतु रोहतास पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार द्वारा मेरे नेतृत्व में अनुमंडल स्तर पर एक विशेष टीम गठित की गई। इसी क्रम में 07 जनवरी 2026 को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि बिक्रमगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत धारूपुर रेलवे क्रॉसिंग से आगे सुनिल सिंह नामक व्यक्ति द्वारा नशे वाली सुई व अन्य नशे का कारोबार किया जा रहा है ।प्राप्त सूचना के आलोक में गठित टीम द्वारा छापेमारी की गई तो सुनिल सिंह को नशे के अवैध सुई यानी वायल अन्य सुई व निडिल के साथ पकड़ा गया सुनिल सिंह द्वारा नशे की सुई सासाराम से खरीद करने की बात बताई गई,जहां गठित टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए सुनिल सिंह के निशानदेही पर सत्यम आनंद को अवैध नशे की सुई-वायल) डिलिवर करते उसके घर से पकड़ा गया,जहां से काफी मात्रा में नशे के रूप में इस्तेमाल किए जा रहे सुई की बरामदगी हुई। इस संबंध में सुनिल सिंह के पास से बरामद नशे की वायल एनडीपीएस एक्ट के तहत अवैध पाया गया,जिसके लिए बिक्रमगंज थाना कांड संख्या 10/26 अंकित किया गया है। दूसरी तरफ सासाराम में बरामद नशे की सुई वायल के संबंध में औषधि निरीक्षक बिक्रमगंज से जांच कराने के बाद उनके प्रतिवेदन पर कांड दर्ज करने की कार्रवाई की गई है । इसी क्रम में गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि मलियाबाग सरपंच मेडिकल द्वारा भी इस नशे की सुई (वायल) का आपूर्ति अवैध रूप से किया जाता है इस कार्य हेतु दावथ थाने की टीम को कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया, जिसके आधार पर सरपंच मेडिकल के मालिक रजनीश कुमार को अवैध सुई (वायल) के साथ गिरफ्तार किया गया। इसके लिए दावथ थाना कांड संख्या 05/26 अंकित किया गया है । यह एक सराहनीय कार्य है। इससे क्षेत्र में बढ़ रहे नशे की लत पर नियंत्रण का प्रयास किया जा रहा है तथा इस तरह की आगे कार्रवाई भी जारी रखी जाएगी। जो गठित टीम में शामिल सभी सदस्यों को अलग से पुरस्कृत किया जाएगा। प्रेसवार्ता दौरान एएसपी ने लोगों से अपील की है कि इस तरीके की नशे से दूर रहे, क्योंकि देखा जाता है कि नशे की सुई लेने वाले लोगों द्वारा एक हीं सूई का बार-बार इस्तेमाल किया जाता है। जिससे घातक भरे संक्रमण बीमारियों का खतरा उनके अंदर फैलने की संभावना को बना देती है।

छठी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग हथियार के साथ 24 लोग गिरफ्तार

गिरफ्तार अभियुक्तों की सूची

- हरेन्द्र यादव, रामेश्वर यादव
- कुन्दन कुमार, राजेश कुमार
- सुमित कुमार, शिवजी यादव
- अंकुश यादव, लालबाबू यादव
- सूरज यादव उर्फ विशाल यादव, स्व. कृष्णा सिंह
- धनोज कुमार यादव, महगु यादव
- तेजु यादव, शिवजी यादव
- अभिराज कुमार, स्व. रमेन्द्र यादव
- पीयूष कुमार, श्याम बाबू यादव
- रवि कुमार, शिव शंकर यादव
- मिथिलेश कुमार यादव झ मेघनाथ सिंह
- ऋषिकेश कुमार, स्व. हरेन्द्र यादव
- राम कुमार यादव , रामाधार यादव
- हरेराम कुमार यादव , नागेन्द्र यादव
- पिंटु कुमार यादव, स्व. प्रदीप प्रसाद
- अरुण कुमार , परमय शंकर सिंह
- निशांत कुमार सिंह, तुलसी यादव
- महंथ यादव, स्व. दिनानाथ यादव
- नितेश कुमार, रामायण यादव
- मनोज कुमार यादव, स्व. अजय कुमार सिंह
- पंकज कुमार सिंह, दहारु यादव
- धर्मवीर यादव, कामता राय
- अमरदीप यादव, रामबस राय
- प्रदुम कुमार

केटी न्यूज/रआरा

भोजपुर जिले के गजराजगंज ओपी क्षेत्र अंतर्गत बड़कागांव में बुधवार की रात छठी समारोह के दौरान आयोजित नाच कार्यक्रम में हर्ष फायरिंग की घटना से इलाके में अफरातफरी मच गई। समारोह के दौरान शराब के नशे में कुछ लोगों द्वारा अवैध हथियार लहराने और फायरिंग किए जाने की सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर छापेमारी की। पुलिस को सूचना मिली थी कि बड़कागांव निवासी हरिराम यादव के घर बच्चे की छठी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शराब का सेवन किया जा रहा है और कुछ लोग हथियार के साथ मौजूद हैं। सूचना के सत्यापन के बाद गजराजगंज ओपी, डीआईयू और अन्य थानों की संयुक्त टीम ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से कुल 24 लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिनका मेडिकल परीक्षण कराया गया। मेडिकल रिपोर्ट में सभी के शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने घटनास्थल से एक देसी पिस्टल और तीन खोखा भी बरामद किया है। वही भोजपुर एसपी राज ने कहा की गजराजगंज थाना के बड़कागांव के हरीराम यादव के यहाँ बच्चे का छठियारी है जहा पे कुछ युक्त हथियार के साथ और शराब के नशे में वहाँ पार्टी कर रहे हैं। इस सूचना को लेकर के हम लोगों ने एक टीम बनाया जिसमें डीआइयू, गजराजगंज और अन्य एक दो थानों की टीम हमलोगों ने उसको रखा। घेराबंदी की गयी इसमें से कुल्लू वहाँ पर 24 को हिरासत में लिया गया। सब का मेडिकल कराया गया। सभी शराब के नशे में थे और उस जगह से एक पिस्टल और तीन यूज्ड खोखा जो है, हम लोग को वहाँ से बरामद हुआ है। इस तरह से कुल 24 को वहाँ से जेल भेजा जा रहा है। बताया जा रहा है कि नाच कार्यक्रम के दौरान की गई हर्ष फायरिंग से वहां मौजूद महिलाओं, बच्चों और ग्रामीणों में दहशत फैल गई थी। पुलिस के पहुंचते ही कार्यक्रम का आयोजक मौके से फरार हो गया, हालांकि कार्यक्रम में शामिल लोगों को मौके से हिरासत में लिया गया।

पुलिस ने छिनतई गिरोह के तीन आरोपियों को भेजा जेल, एएसपी ने की प्रेसवार्ता

केटी न्यूज/रोहतास

एएसपी सह बिक्रमगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संकेत कुमार ने गुरुवार को अपने कार्यालय कक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान उन्होंने बताया कि 7 जनवरी 2026 को सुसाड़ी मोड़ के समीप करीब 12 बजे दिवा गश्ती क्षेत्र भ्रमण के क्रम में भीड़ भाड़ लगा देख वहां पर रुकी और स्थानीय लोगों से पता चला कि ई-रिक्शा वाला एक महिला आशा देवी पति शेषनाथ प्रसाद ग्राम गंगाजल मठ थाना संझौली का पर्स चोरी करके भाग रहा है । जिसे गश्ती दल के द्वारा पकड़ा गया । घटना के गंभीरता को देखते हुए महिला आशा देवी एवं ई-रिक्शा के साथ तीन व्यक्ति को लेकर गश्ती दल के द्वारा थाना लाया गया। आशा देवी पति शेषनाथ प्रसाद ग्राम गंगाजल मठ थाना संझौली के द्वारा दिए गए टंकित आवेदन के आधार पर संझौली थाना कांड संख्या 7/26 के आलोक में विभिन्न धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी नामजद अभियुक्त विकास कुमार उम्र करीब 30 वर्ष पिता कैलाश खरवार,डिंपल देवी उम्र 27 वर्ष पति विकास खरवार दोनों साकिन व थाना बिक्रमगंज और एगारसी खरवार उम्र 50 वर्ष पिता स्वर्गीय दूधनाथ खरवार ग्राम फुलवरिया टोला बरांव मोड़ थाना नोखा को पर्स चोरी करने के आरोप में कांड दर्ज किया गया । एएसपी ने बताया कि उक्त मामले में पुलिस ने डिंपल देवी, विकास कुमार और एगारसी खरवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने बताया कि पुलिस ने एक सोने जैसा प्रतीत होने वाला लॉकेट पीला एवं लाल मोती में गुथा हुआ,एक सोने जैसा प्रतीत होने वाला मंगलसूत्र काला एवं सोने जैसा प्रतीत होने वाला मोती में गुथा हुआ,एक चांदी जैसा प्रतीत होने वाला अंगूठी जिस पर गुलाबी रंग का मीणा लगा हुआ, कुल 1920 रुपए कैश, एक उजला रंग के पैकेट में धागा में गुथा हुआ काला मोती एवं सोने जैसा प्रतीत होने वाला मोती,एक रेडमी कंपनी का एंड्रॉयड फोन एवं एक ई रिक्शा जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर डी एल 6 ई आर 5048 को बरामद किया है।

नव वर्ष में बिहार के गन्ना किसानों को राज्य सरकार ने दी सौगात

एजेंसी। पटना

राज्य सरकार ने नये वर्ष में बिहार के गन्ना किसानों को नई सौगात दी है। गन्ना उद्योग मंत्री श्री संजय कुमार ने अपर मुख्य सचिव श्री के सेंथिल कुमार और राज्य के सभी चीनी मिल मालिकों के साथ गुरुवार को अपने कार्यालय कक्ष में बैठक की, जिसमें राज्य के गन्ना किसानों की हित को देखते हुए मिल मालिकों की सहमति से गन्ना मूल्य के दर में 15 से 20 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि करने का निर्णय लिया गया। यह पेराई सत्र 2025-26 से ही लागू किया जाएगा। इस संबंध में गन्ना उद्योग मंत्री श्री संजय कुमार ने बताया कि राज्य सरकार किसानों के बेहतर उन्नति के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में नई सरकार गठन होने के बाद से ही किसानों के उन्नति को देखते हुए कार्य किये जा रहे हैं। बिहार के गन्ना किसानों के द्वारा गन्ना का मूल्य बढ़ाने की मांग की जा रही थी। इसको लेकर लगातार मिल मालिकों के साथ बैठक की गई। तीसरी बैठक में चीनी मिल मालिकों की सहमति से गन्ना मूल्य में 20 रुपये प्रति क्विंटल की दर से वृद्धि करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि पहले उत्तम प्रभेद के गन्ना का मूल्य 365 रुपये था, जिसमें 15 रुपये प्रति क्विंटल, सामान्य प्रभेद के 345 रुपये से बढ़ाकर 360 रुपये और निम्न प्रभेद के गन्ना का मूल्य 310 से बढ़ाकर 330 रुपये की वृद्धि कर दी गई है। गन्ना उद्योग मंत्री ने बताया कि इस बढ़े हुए नये मूल्य के अतिरिक्त गत वर्ष की तरह ही मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के दौरान सभी श्रेणी के गन्ना पर घोषित 10 रुपये अतिरिक्त भुगतान करने की योजना बदस्तूर जारी रहेगी। इस तरह से गन्ना मूल्य में हुई बढ़ोतरी के बाद गन्ना किसानों को उत्तम प्रभेद के लिए 390 रुपये, सामान्य प्रभेद के लिए 370 रुपये और निम्न प्रभेद के लिए 340 रुपये प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जाएगा। बैठक में ईख आयुक्त श्री अनिल कुमार झा, संयुक्त ईख आयुक्त श्री जय प्रकाश नारायण सिंह सहित राज्य के सभी चीनी मिलों के मालिक मौजूद थे।

बिहार में भू-माफियाओं पर कसेगा शिकंजा, सभी थानों को सूची तैयार करने का आदेश

एजेंसी। पटना

मधुबनी पुलिस मुख्यालय में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार की अध्यक्षता में जिले के सभी पुलिस अधिकारियों के साथ क्राइम मीटिंग आयोजित की गई। इस बैठक में एसपी ने थाना स्तर पर कार्य में लापरवाही बरतने वाले थाना प्रभारियों और पुलिस अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। क्राइम मीटिंग के दौरान एसपी योगेंद्र कुमार ने सभी थाना अध्यक्षों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने थाना क्षेत्रों में सक्रिय भू-माफियाओं की पहचान कर उनकी विस्तृत सूची तैयार करें। साथ ही भूमि से जुड़े लंबित मामलों को तत्काल संज्ञान में लेते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। एसपी योगेंद्र कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर की जा रही है। उन्होंने कहा कि भू-माफियाओं द्वारा अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों की गहन जांच की जाएगी। इसके तहत माफियाओं की आपराधिक गतिविधियों, संपत्ति के स्रोत, अवैध कब्जे और भूमि से जुड़े मामलों की पूरी हिस्ट्री खंगाली जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि सभी थाना अध्यक्षों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचियों के आधार पर जांच की जाएगी और जांच पूरी होने के बाद सरकार के दिशा-निदेशों के अनुसार संबंधित भू-माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर कार्रवाई भी की जा सकती है। उत्तर प्रदेश की तर्ज पर बिहार की एनडीए सरकार अब भू-माफियाओं के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की तैयारी में है। इस फैसले के बाद जिले के भू-माफियाओं में हड़कंप मच गया है, जबकि आम लोग इस कदम से राहत और खुशी महसूस कर रहे हैं। प्रशासन का मानना है कि इस कार्रवाई से भूमि विवादों पर अंकुश लगेगा और कानून का राज स्थापित होगा।

पटना के 46 किसान रांची में ले रहे आधुनिक कृषि तकनीक का प्रशिक्षण

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार का कृषि विभाग किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में कृषि विभाग का कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) पटना ने जिले के किसानों के लिए रांची में राज्य स्तरीय किसान प्रशिक्षण सह परिभ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया है। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिए पटना जिले के प्रत्येक प्रखंड से दो-दो प्रगतिशील किसानों का चयन किया गया है। इस तरह कुल 46 किसान इस कार्यक्रम से प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे।

यह कार्यक्रम समेकित कृषि प्रणाली विषय पर आधारित है, जो वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सतत कृषि विकास, जोखिम प्रबंधन तथा संसाधनों के समुचित उपयोग की एक सशक्त एवं व्यवहारिक पद्धति के रूप में स्थापित हो रही है।

राम कृपाल यादव ने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित किसानों को झारखंड स्थित मोबाइल एग्रीकल्चरल स्कूल एंड सर्विसेज (टअरर), रांची में पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह प्रशिक्षण सह परिभ्रमण 08 जनवरी 2026 से 12 जनवरी 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण अवधि के दौरान किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, नवाचारों, यांत्रिकीकरण, मूल्य संवर्धन एवं सफल कृषि मॉडलों का प्रत्यक्ष अवलोकन कराया जाएगा, जिससे वे अपने क्षेत्र में इन नवाचारों को प्रभावी रूप से अपनाने में सक्षम हो सकें। कृषि मंत्री ने कहा है कि प्रशिक्षण के दौरान किसानों को फसल उत्पादन, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन, बागवानी, मशरूम उत्पादन, वर्मी कम्पोस्ट, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन जैसी गतिविधियों को एकीकृत रूप में अपनाने की विस्तृत एवं व्यवहारिक जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही उत्पादन लागत में कमी, उत्पादकता में वृद्धि, जलवायु अनुकूल कृषि पद्धतियों, डिजिटल तकनीक के उपयोग तथा कृषि उत्पादों के विपणन एवं बाजार से सीधा जुड़ाव जैसे विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा।

इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य किसानों को वर्ष भर नियमित आय के अवसर उपलब्ध कराना, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन को बढ़ावा देना तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ कृषि को आत्मनिर्भर एवं प्रतिस्पर्धी बनाना है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात प्रतिभागी किसान अपने-अपने क्षेत्रों में अर्जित ज्ञान एवं अनुभवों का प्रसार कर अन्य किसानों को भी लाभान्वित करेंगे। आत्मा, पटना द्वारा आयोजित यह प्रशिक्षण सह परिभ्रमण कार्यक्रम राज्य में कृषि नवाचार, किसान सशक्तिकरण एवं समग्र ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी पहल सिद्ध होगा।

एक नजर

पीकअप चालक ने बाइक सवार को मारी टक्कर, युवक की मौत,एक जख्मी

बिक्रमगंज। थाना क्षेत्र के आरा-सासाराम मुख्य पथ पर के शिवपुर-मठिया गांव समीप गुरुवार को दोपहर 12 बजे पीकअप वैन ने एक बाइक में टक्कर मार दी। जिसमें एक बाइक सवार की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक बाइक सवार जख्मी हो गया है। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने जख्मी बाइक सवार को एंबूलेस से इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बिक्रमगंज में ले जाकर भर्ती कराया, वहीं मृतक को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया है। इस संदर्भ में थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान भोजपुर जिला के हसनबाजार थाना क्षेत्र के कातर निवासी रामजी चौधरी के 40 वर्षीय पुत्र धर्मेंद्र चौधरी के रूप में की गई है, जबकि जख्मी मृतक का चचेरा भाई भीम चौधरी का पुत्र नित्यानंद चौधरी बताया जाता है। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों भाई बाइक से अपने घर से बिक्रमगंज की ओर जा रहे थे, इसी बीच बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के शिवपुर मठिया गांव के पास विपरीत दिशा से आ रहे पीकअप वैन ने टक्कर मार दी। जिसमें एक की मौत हो गई, जबकि एक जख्मी हो गया।

बिहार पुलिस होमगार्ड के परीक्षा में 33 युवाओं ने सफलता का लहराया परचम

काराकाट। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सुकहरा के श्रीनगर मैदान पर टाइगर फिजिकल अकैडमी के शारीरिक परीक्षा में सफल 30 से अधिक युवाओं का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में काराकाट प्रखंड प्रमुख वैजयंती देवी और पंचायत राज पदाधिकारी रेणुका कुमारी ने मंच का उद्घाटन फीता काटकर किया। सफल अभ्यर्थियों ने अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। अकादमी के ट्रेनर रोशन कुमार और प्रिंस कुमार के नेतृत्व में बिहार पुलिस की शारीरिक परीक्षा में अब तक 18 लड़कियों समेत कई युवाओं ने सफलता हासिल की है, जबकि परीक्षा जारी है। वहीं, बिहार होमगार्ड में 15 अभ्यर्थी फाइनल रिजल्ट तक पहुंचे। प्रमुख वैजयंती देवी, बीपीआरओ रेणुका कुमारी, प्रमुख प्रतिनिधि नारायण पासवान, बराडीह मुखिया मोहम्मद अफरोज आलम, सामाजिक कार्यकर्ता आकाश कुमार समेत अन्य अतिथियों ने सफल विद्यार्थियों को अंगवस्त्र और फूलों से सम्मानित किया। बीपीआरओ रेणुका कुमारी ने कहा, "प्रखंड के छोटे से गांव में चल रही इस अकादमी से इतने युवा सरकारी नौकरियों में सफल हो रहे हैं, यह क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।" प्रमुख प्रतिनिधि नारायण पासवान ने ट्रेनरों की सराहना करते हुए कहा, रोशन और प्रिंस ने साबित कर दिया कि स्थानीय स्तर पर ही गुणवत्तापूर्ण ट्रेनिंग संभव है, बाहर जाने की जरूरत नहीं। बिहार पुलिस सफल अभ्यर्थी में रानी कुमारी, सुमन कुमारी,चांदनी भारती, ज्योति कुमारी, समीरा खातून, खुशी गुप्ता,नेहा,निशा, सुनीता, रिंकी, रेनू,कांति, खुशबू, अंजू, प्रिया,प्रीति आदि। बिहार होमगार्ड फाइनलिस्ट रहें आरती कुमारी, सुधा कुमारी,नेहा, कविता, रेखा, निधि, दीपक कुमार, रवि रंजन,विशाल,परशुराम,एमडी सैफ,विनय, अजीत, अप्पू,अमित आदि। समारोह में प्रमुख प्रतिनिधि नारायण पासवान, आकाश कुमार, पिंटू कुमार, शमीम अंसारी समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

गुजरात के शहरी विकास मॉडल के आधार पर विकसित होंगे बिहार के शहर

पटना। बिहार में समुचित शहरी विकास को अधिक गति देने के उद्देश्य से उप-मुख्यमंत्री सह खान एवं भूतत्व मंत्री और नगर विकास मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने गुरुवार को गांधीनगर में गुजरात के नगर विकास मंत्री कन्नुभाई मोहनलाल देसाई से मुलाकात की। इस दौरान विकास के गुजरात मॉडल पर विस्तार से चर्चा हुई और इससे जुड़े अहम बातों की जानकारी ली गई। श्री सिन्हा केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्रालय की तरफ से गांधीनगर में आयोजित चिंतन शिविर में शिरकत करने गए हुए हैं। इस शिविर के दौरान श्री सिन्हा ने गुजरात के विकास मॉडल को लेकर गुजरात के नगर विकास मंत्री कन्नुभाई मोहनलाल देसाई से विशेष मुलाकात की और उनसे शहरी क्षेत्रों के विकास को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर श्री सिन्हा ने गुजरात के नगर विकास मंत्री श्री देसाई का अंगवस्त्र और फूलों के गुलदस्ते के साथ अभिवादन किया। इस मुलाकात के दौरान उपमुख्यमंत्री श्री सिन्हा ने गुजरात के शहरों का तेजी से हो रहे विकास को लेकर कई अहम्‌ जानकारियां हासिल की। उल्लेखनीय है कि गुजरात के गांधीनगर में केन्द्रीय खान एवं भूतत्व मंत्रालय द्वारा गुरुवार को चिंतन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसमें खनन के क्षेत्र में भविष्य की रणनीतियों, नवाचारों और चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। इस चिंतन शिविर में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ देश के विभिन्न राज्यों के खान एवं भूतत्व मंत्रियों के साथ खान एवं भूतत्व विभाग से जुड़े राज्यों के अधिकारी भाग ले रहे हैं। इस चितन शिविर का उद्देश्य खनिज संसाधनों के सतत विकास और उनके उपयोग को बढ़ावा देना है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 की बजट से पूर्व अलग-अलग क्षेत्र के प्रतिनिधियों से वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ले रहे थे सुझाव

तकनीकी और कम्युनिकेशन के क्षेत्र में बिहार 5 वर्षों में प्रस्तुत करेगा विकास की नई तस्वीर : वित्त मंत्री

एजेंसी। पटना

बिहार कृषि, स्वास्थ्य, ऊर्जा, तकनीक, कॉम्युनिकेशन, उद्योग आदि क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अगले पांच सालों में सफलताओं को समेकित कर एक प्लेटफॉर्म पर लाने की जरूरत है, ताकि विकसित बिहार की नई तस्वीर पूरे देश के सामने प्रस्तुत हो सके। तकनीकी और कम्युनिकेशन के क्षेत्र में बिहार आगामी 5 वर्षों में विकास की नई तस्वीर पेश करेगा। आगामी बजट में इस पर फोकस किया जाएगा। ये बातें गुरुवार को वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट से पूर्व आयोजित बैठक में कही। यह बैठक पुरानी सचिवालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई थी और इसकी अक्ष्यक्षता वित्तमंत्री कर रहे थे। उनके साथ कृषि मंत्री राम कृपाल यादव और वित्त के अपर मुख्य सचिव आनंद किशोर मौजूद रहे। सुबह 11 बजे से शुरू हुई इस बैठक में स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, सूचना, विज्ञान एवं प्रवैधिकी, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं पर्यटन, करारोपण, वानिकी एवं पर्यावरणीय संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण आदि क्षेत्र के अधिकारी और प्रतिनिधि शामिल रहे। इसमें अधिकारी और प्रतिनिधियों ने आगामी बजट को लेकर अपने-अपने सुझाव दिए। मुख्य रूप से मेडिकल कॉलेजों में उपकरण, भवन मरम्मत, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं को अत्याधुनिक करने और शोध को बढ़ाने पर जोर दिया गया। साथ ही इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) को मिलने वाले वार्षिक बजट में इजाफा करने की अपील की गई। कृषि क्षेत्र में आम की खेती करने वाले किसानों की फसल की ब्रांडिग, बाजार उपलब्ध कराने, पान की खेती के लिए पटना में मंडी और आपदा में नुकसान होने पर उचित मुआवजा दिलाने का सुझाव सामने आने पर कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने कई महत्वपूर्ण घोषणा की। मुख्य रुप से कृषि बाजारों का अत्याधुनिकीकरण, दलहनी और तिलहनी फसलों के उत्पादन का लक्ष्य बढ़ाने और फल, सब्जी की सुरक्षा के लिए राज्य भर में शीतगृह बनाने व राज्य में पान आयोग व पान मंडी बनाने का आश्वासन दिया। कहा कि आगामी पांच वर्षों में सब्जी उत्पादन के लक्ष्य को वर्ष में 400 लाख मीट्रिक टन किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक प्रखंड में फूड चेन की स्थापना की जाएगी। वित्त मंत्री ने करदाताओं को बताया कि राज्य में हाइवे, रेल, हवाई अड्डा, तकनीक और उद्योग आदि की स्थापना की वजह से हम नई अर्थव्यवस्था में पहुंच चुके हैं। भविष्य में नए बिहार का निर्माण और रोजगार की संभावना तैयार करना ही सरकार का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने नगर विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह शहर में हुए विकास के अनुसार टैक्स का निर्धारण किया जाए।

राज्य में पूरक पोषाहार योजना के तहत 42 लाख लाभुक

एजेंसी। पटना

राज्य में पूरक पोषाहार योजना के तहत सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में टेक होम राशन (टीएचआर) का वितरण किया जाता है। समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत आईसीडीएस निदेशालय के स्तर से संचालित के 1 लाख 15 हजार 64 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर इस टीएचआर का वितरण किया जा रहा है। अब इनका वितरण चेहरा पहचान प्रणाली (एफआरएस) के माध्यम से हो रहा है। विभाग के अनुसार, इस योजना के तहत राज्य में कुल 52 लाख 59 हजार लाभार्थी पंजीकृत हैं। इनमें गर्भवती महिलाएं, धात्री माताएं और 6 महीने से 3 वर्ष तक के बच्चे शामिल हैं। इनमें से 51 लाख 4 हजार लाभुकों का एफआरएस के माध्यम से सत्यापन किया जा चुका है। वहीं टीएचआर वितरण में 42 लाख 80 हजार लाभुकों की संख्या दर्ज की गई है। विभाग से प्राप्त जिलेवार आंकड़ों पर डालें, तो पटना जिले में सबसे अधिक 2 लाख 7 हजार लाभुकों को एफआरएस के जरिए टीएचआर वितरित किया गया। इसके बाद मुजफ्फरपुर में 2 लाख 6 हजार, समस्तीपुर में 1 लाख 97 हजार, पूर्वी चंपारण में 1 लाख 88 हजार, सारण में 1 लाख 84 हजार और कटिहार में 1 लाख 82 हजार लाभुकों को राशन प्रदान किया गया।

उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा का एलान

बिहार के नगर निकायों में जमीन माफिया पर कसेगी नकेल

एजेंसी। पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री सह नगर विकास एवं आवास मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राज्य के सभी 264 नगर निकायों में सक्रिय सरकारी जमीन कब्जाने वाले माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के तहत काम कर रही बड़ी आउटसोर्सिंग कंपनियों के एकाधिकार को समाप्त कर छोटी-छोटी कंपनियों, एनजीओ और नॉन-प्रॉफिट संगठनों को अवसर देने का भी स्पष्ट निर्देश दिया है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कई नगर निगम और नगर निकायों से लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि माफिया तत्व बड़े पैमाने पर सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा जमाए हुए हैं। ऐसे तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ कानून के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार सरकारी जमीन की सुरक्षा को लेकर गंभीर है। नगर निकायों में सक्रिय ऐसे माफिया न केवल सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं, बल्कि विकास कार्यों में भी बाधा बन रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी नगर निकायों में सरकारी जमीन की सूची तैयार कर अवैध कब्जों को चिह्नित किया जाए और चरणबद्ध तरीके से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि इस अभियान में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है। उपमुख्यमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत काम कर रही बड़ी आउटसोर्सिंग कंपनियों के वर्चस्व पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में कुछ बड़ी कंपनियों का एकाधिकार बना हुआ है, जिससे न तो प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है और न ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के पर्याप्त अवसर मिल पा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नगर निकायों द्वारा जारी किए जाने वाले सभी टेंडरों में छोटी कंपनियों, एनजीओ और नॉन-प्रॉफिट संगठनों को भी समान अवसर दिया जाए। इससे न केवल स्वच्छता व्यवस्था में सुधार होगा, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे। डिप्टी सीएम ने कहा कि राज्य के सभी नगर निकायों से वर्तमान में कार्यरत आउटसोर्सिंग कंपनियों का पूरा ब्योरा तलब किया गया है। इन कंपनियों के कामकाज, लागत और प्रभावशीलता की समीक्षा की जाएगी। जरूरत पड़ने पर अनुबंध की शर्तों में बदलाव भी किया जाएगा, ताकि स्वच्छता सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनके हितों की अनदेखी नहीं की जाएगी। बिहार में सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए भाजपा शासित राज्यों के सफल स्वच्छता मॉडलों का अध्ययन किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के स्वच्छता मॉडल का विस्तृत अध्ययन करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि इन राज्यों में अपनाए गए नवाचार, तकनीकी उपाय और प्रबंधन मॉडल में से जो बिहार के लिए उपयोगी होंगे, उन्हें यहां लागू किया जाएगा। इसका उद्देश्य केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थायी और आधुनिक शहरी स्वच्छता प्रणाली विकसित करना है।इस समीक्षा बैठक में नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार, अपर सचिव विजय प्रकाश मीणा, मनोज कुमार समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक के दौरान स्वच्छ भारत मिशन से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई और आवश्यक सुधारात्मक कदमों पर चर्चा की गई। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य बिहार के नगर निकायों को स्वच्छ, पारदर्शी और माफिया मुक्त बनाना है।

पटना में होगा बिहार स्टार्टअप यात्रा का शुभारम्भ, युवा उद्यमियों को मिलेगा नया मंच

एजेंसी। पटना

बिहार के युवा उद्यमियों और नवाचार से जुड़े युवाओं के लिए एक बड़ी पहल के तहत पटना में जल्द ही ह्यबिहार स्टार्टअप यात्राह्ल का शुभारम्भ होने जा रहा है। अपनी चर्चित डॉक्यूमेंट्री ह्यभारत स्टार्टअप यात्राह्ल की देशभर में मिली सफलता के बाद अक्टूबर स्काई (डूइड्डी१ र'८) अब बिहार में स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इस आयोजन का उद्देश्य राज्य के युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित करना, उन्हें सम्मान देना और उनके विचारों को व्यवसाय में बदलने का अवसर प्रदान करना है। अक्टूबर स्काई द्वारा आधिकारिक रूप से घोषित इस कार्यक्रम में देश की अग्रणी कंपनियों के प्रतिनिधि, उद्योग जगत के अनुभवी लीडर, निवेशक और मेंटर्स शामिल होंगे। इसके साथ ही बिहार के कई मंत्रियों ,कैबिनेट मिनिस्टर समेत कई जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी भी प्रस्तावित है। आयोजन को एक बड़े उद्यमिता शिखर सम्मेलन के रूप में तैयार किया जा रहा है, जिसमें बिहार के स्टार्टअप्स और नवाचार करने वाले युवाओं को सीधे मार्गदर्शन और नेटवर्किंग का लाभ मिलेगा। आयोजकों के अनुसार, जहाँ ह्यभारत स्टार्टअप यात्राह्ल डॉक्यूमेंट्री के जरिए देशभर के उद्यमियों की प्रेरक कहानियाँ सामने लाई गई थीं, वहीं ह्यबिहार स्टार्टअप यात्राह्ल एक व्यावहारिक मंच के रूप में काम करेगी। यहाँ नए उद्यमी, शुरूआती चरण के स्टार्टअप संस्थापक, निवेशक और मेंटर्स और बिहार के जनप्रतिनिधि एक साथ जुड़ेंगे। इसका उद्देश्य है कि बिहार के युवा केवल नौकरी की तलाश तक सीमित न रहें, बल्कि उद्यमिता को भी एक मजबूत करियर विकल्प के रूप में अपनाएँ। अक्टूबर स्काई की निदेशक नलिनी सिन्हा ने कहा कि डॉक्यूमेंट्री के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि प्रतिभा केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है। उन्होंने बताया कि बिहार के युवाओं में भी नई सोच और आगे बढ़ने की पूरी क्षमता है। ह्यबिहार स्टार्टअप यात्राह्ल के माध्यम से पटना को नवाचार और उद्यमिता के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा। यह कार्यक्रम बिहार के स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई दिशा देने के साथ-साथ राज्य के युवाओं को आत्मनिर्भर बनने और अपने विचारों को साकार करने के लिए प्रेरित करेगा।

पटना एम्स में 50 लाख का गबन उजागर, चीफ कैशियर सस्पेंड

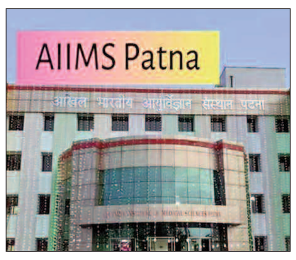

एजेंसी। पटना

पटना एम्स में 50 लाख रुपये के गबन का मामला सामने आया है। अस्पताल के चीफ कैशियर अनुराग अमन पर गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में कार्रवाई की गई है। एम्स प्रशासन ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है और पूरे मामले की विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। इस गबन का खुलासा तब हुआ जब अकाउंट ऑफिसर पीयूष आनंद ने ऑडिट कराया। ऑडिट में कैश बुक, भुगतान रजिस्टर, रसीदों और बैंक खातों के मिलान में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि कई नकद लेन-देन बिना आवश्यक दस्तावेजों और सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के किए गए थे। विस्तृत जांच के दौरान करीब 50 लाख रुपये की राशि का स्पष्ट हिसाब नहीं मिल सका, जिससे गबन की आशंका जताई गई। मामले के सामने आते ही एम्स पटना प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रेस रिलीज जारी की। जिसमें बताया गया कि आरोप अत्यंत गंभीर हैं और प्रथम दृष्टया वित्तीय अनियमितता के ठोस साक्ष्य मिले हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि संस्थान में पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। एम्स प्रशासन ने चीफ कैशियर अनुराग अमन को निलंबित कर दिया है और जांच अवधि के दौरान उन्हें किसी भी तरह की वित्तीय जिम्मेदारी से मुक्त रखा गया है। हालांकि प्रशासन ने यह भी बताया कि गबन की गई राशि वापस कर दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार मामले की जांच की जा रही है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित कर्मचारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें सेवा से बर्खास्तगी और कानूनी कार्रवाई शामिल हो सकती है। आवश्यकता पड़ने पर मामला पुलिस या अन्य जांच एजेंसियों को भी सौंपा जाएगा। एम्स प्रशासन ने यह भी आश्वासन दिया है कि इस घटना का मरीजों की चिकित्सा सेवाओं और संस्थान के दैनिक कार्यों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए वित्तीय प्रक्रियाओं को और सख्त किया जाएगा तथा आंतरिक ऑडिट प्रणाली को मजबूत किया जाएगा।

पटना में 11 जनवरी तक कक्षा 8 तक स्कूल बंद, ऊपरी कक्षाओं की टाइमिंग बदली

एजेंसी। पटना

बिहार में ठंड और मौसम की स्थिति को देखते हुए एक बार फिर पटना जिला प्रशासन ने स्कूलों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। पटना के जिलाधिकारी (डीएम) की ओर से जारी नए आदेश के अनुसार राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूल 11 जनवरी तक बंद रहेंगे। यह आदेश खास तौर पर कक्षा 8 तक के छात्रों के लिए लागू किया गया है। डीएम द्वारा जारी निर्देश में स्पष्ट कहा गया है कि कक्षा 1 से 8 तक के सभी विद्यार्थियों के लिए पूर्ण अवकाश रहेगा। यानी इन कक्षाओं की पढ़ाई पूरी तरह से स्थगित रहेगी। प्रशासन का कहना है कि छोटे बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है, ताकि ठंड के कारण किसी भी तरह की परेशानी से उन्हें बचाया जा सके। वहीं, कक्षा 8 से ऊपर यानी कक्षा 9, 10, 11 और 12 के छात्रों के लिए स्कूल पूरी तरह बंद नहीं रहेंगे, लेकिन उनके लिए समय में कटौती की गई है। आदेश के मुताबिक इन कक्षाओं की पढ़ाई अब सुबह 10:30 बजे से लेकर दोपहर 3:30 बजे तक ही संचालित होगी। इससे पहले या इसके बाद किसी भी तरह की शैक्षणिक गतिविधि नहीं कराई जाएगी। डीएम कार्यालय की ओर से सभी स्कूल प्रबंधन को इस आदेश का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकारी के साथ-साथ निजी स्कूलों पर भी यह आदेश समान रूप से लागू होगा। यदि कोई स्कूल आदेश का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की जा सकती है। प्रशासन का कहना है कि बीते कुछ दिनों से लगातार तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है और सुबह-शाम ठंड का असर ज्यादा देखा जा रहा है। खासकर छोटे बच्चों को सर्दी, खांसी और अन्य मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की मिली धमकी, परिसर खाली कराया गया

एजेंसी। पटना

पटना सिविल कोर्ट को गुरुवार को आरडीएक्स बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पूरे कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही आनन-फानन में न्यायालय परिसर को खाली कराया गया और जज एवं वकीलों के चेंबर भी तुरंत सुरक्षित स्थान पर ले जाए गए। इस घटना ने कोर्ट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।मिली जानकारी के अनुसार, सिविल कोर्ट के एक रजिस्टर पर प्राप्त ईमेल में यह धमकी दी गई थी कि 8 जनवरी 2026 को सिविल कोर्ट परिसर में तीन आरडीएक्स आईडीएस से विस्फोट किया जाएगा। इस सूचना के बाद जिला बार एसोसिएशन, पटना के सचिव को पत्र लिखकर सूचित किया गया कि सभी सदस्यों को कोर्ट परिसर खाली करने की कार्रवाई करें।सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर न्यायालय परिसर खाली कराया गया। डॉग स्क्वाड्रन मौके पर पहुंची और पूरे कोर्ट परिसर को छप्पे-छप्पे जांचने में जुट गई। पटना सिविल कोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कोर्ट के सभी जज, स्टाफ और वकीलों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। मौके पर वरिष्ठ एसपी सहित कई पुलिस अधिकारी मौजूद रहे और पूरी जांच-पड़ताल में जुटे हैं। गया सिविल कोर्ट को ई-मेल के जरिए आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिलने से गुरुवार को पूरे न्यायालय परिसर में हड़कंप मच गया। सुबह करीब साढ़े 11 बजे सभी जजों के आधिकारिक ई-मेल आईडी पर एक साथ धमकी भरा संदेश पहुंचा, जिसमें कोर्ट को बम से उड़ाने की बात कही गई थी। ई-मेल मिलते ही कोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं। धमकी की सूचना मिलते ही एहतियात के तौर पर गया सिविल कोर्ट परिसर को तत्काल खाली कराया गया। कोर्ट में मौजूद सभी जज, न्यायालय कर्मचारी, वकील और अपने काम से आए आम लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। अचानक हुई इस कार्रवाई से कुछ देर के लिए कोर्ट परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग सन्न रह गए, लेकिन प्रशासन और सुरक्षा कर्मियों की सतर्कता से किसी तरह की कोई अनहोनी नहीं हुई।

मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

बिहार में पछुआ हवा ने बढ़ाई कनकनी, कोल्ड-डे का ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी। पटना

बिहार में हाड़ कंपाने वाली ठंड से अभी भी राहत नहीं मिल रही है। मौसम विभाग ने आज गुरुवार को भी बिहार में कोल्ड-डे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश से आ रही बर्फीली पछुआ हवाओं ने पूरे बिहार को अपनी आगोश में ले लिया है। आलम यह है कि मधुबनी को छोड़ प्रदेश के 37 जिलों में पारा 10 डिग्री के नीचे लुढ़क गया है। राजधानी पटना में कोहरे का कहर सबसे ज्यादा देखा जा रहा है। गुरुवार सुबह पटना में विजिबिलिटी घटकर मात्र 50 मीटर रह गई, जिससे सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए। कई इलाकों में ओस की इतनी सघनता थी कि सड़कों पर बारिश जैसा अहसास हुआ। कोहरे की मार विमान सेवा और ट्रेनों पर भी पड़ी है। हालत को देखते हुए जिलाधिकारी ने आठवीं तक के स्कूलों की छुट्टी 11 जनवरी तक बढ़ा दी है। कई जिलों में पहले ही 11 तक छुट्टी है, शेष पटना को देखकर अब यह अवकाश बढ़ा देंगे। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार सबसे ठंडा जिला भागलपुर रहा जहां का न्यूनतम तापमान 4.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं गया, छपरा, शेखपुरा और किशनगंज में पारा 7 डिग्री तक पहुंच गया। राजधानी पटना का न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पटना में ओस की बूंदें भी बारिश की तरह गिरती नजर आई। इस वजह से हवाई सफर भी प्रभावित रहा। पटना एयरपोर्ट पर कम दृश्यता के कारण 5 जोड़ी उड़ानें रद्द कर दी गई, जबकि 22 फ्लाइट्स विलंब से उड़ी।

पछुआ हवाओं ने बढ़ाई कनकनी, 30` की रफ्तार से चलेगा सर्द झोंका

मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और पहाड़ों पर लगातार हो रही बर्फबारी के कारण बर्फीली हवाएं सीधे मैदानी राज्यों की ओर आ रही हैं। मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि अगले 24 घंटों में बिहार के कई जिलों में 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ठंडी हवाएं चलेंगी। इससे धूप निकलने के बावजूद लोगों को ठिठुरन महसूस होगी। अगले 3 से 4 दिनों तक राहत की कोई उम्मीद नहीं है। मौसम विज्ञान केंद्र ने चेतावनी दी है कि खुले मैदानों, हाईवे और खेतों के आसपास ठंड का असर शहरों के मुकाबले कहीं अधिक रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र ने बढ़ती कनकनी और शीतलहर को देखते हुए बुजुर्गों, बच्चों और सांस के मरीजों को घरों में रहने की सलाह दी गई है। मौसम वैज्ञानिकों ने लोगों को मौसम बाहर निकलते समय कान और छाती को पूरी तरह ढक कर रखने की सलाह दी है।

गयाजी में बंद घर को चोरों ने बनाया निशाना, लाखों रुपये के जेवर और कैश की चोरी से इलाके में दहशत

एजेंसी। पटना

गया जी शहर के मगध मेडिकल थाना क्षेत्र अंतर्गत चौड़हर मोहल्ले में अज्ञात चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाया है। घर में घुसकर लाखों रुपये मूल्य के सामान की चोरी कर ली है। पीड़िता अपने बेटे के घर गई हुई थी और यहां कोई नहीं रह रहा था। इसी का फायदा उठाते हुए चोरों ने इस घटना को अंजाम दे दिया। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है, वहीं स्थानीय लोग सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहे हैं। पीड़िता कौशलेश्वरी देवी ने बताया कि वे कुछ दिनों के लिए अपने बेटे के घर गई हुई थीं। घर बंद होने का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने सुनियोजित तरीके से चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जब वह वापस लौटीं तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है और अलमारी व अन्य सामान बिखरा पड़ा है। जांच करने पर पता चला कि घर से नकद रुपये, जेवरात और अन्य कीमती सामान गायब हैं, जिसकी कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही कौशलेश्वरी देवी ने मगध मेडिकल थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। पीड़िता ने बताया कि घर में रखे जीवन भर का सारा जमा पूंजी चोरों ने उड़ा लिया है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद मगध मेडिकल थाना की पुलिस सक्रिय हो गई है।